आया नवराते का त्यौहार

आया नवराते का त्यौहार सब मिल माँ को रिजाये,
मैया नो दिन रहेगी अपने साथ सब मिल माँ को रिजाये,
चुनरी ओहडाये माँ की ज्योत जलाये,
करके उनका श्रृंगार,
सब मिल माँ को रिजाये,
आया नवराते का त्यौहार सब मिल माँ को रिजाये,

श्रिष्टि के कण कण में उनका ही वास है,
वो जग ही दाती है हम उनके दास है,
देती सहारा जब भी पुकारा,
वो जग की पालनहार,सब मिल माँ को रिजाये,
आया नवराते का त्यौहार सब मिल माँ को रिजाये,

अख़बर भी आया दर पे शीश झुकाया,
मैया को सोहने का छतर चढ़ाया,
दिल की वो जाने सब की वो माने उनकी लीला है अपरम्पार
सब मिल माँ को रिजाये,
आया नवराते का त्यौहार सब मिल माँ को रिजाये,

अष्ट भुजाओ से माँ दुष्टो को मारती,
शुंभ निशुम्भ महिषा सुर का असुरा का संगार की,
ऋषि मुनि देवी देवता भी पूजते माँ की लीला है अपरम्पार,
सब मिल माँ को रिजाये,
आया नवराते का त्यौहार सब मिल माँ को रिजाये,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13522/title/aaya-navraati-ka-tyohaar-sab-mil-maa-ko-rijaaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |